www.sgbauonline.com

AU–2150

M.A. (Part-I) (Old) Examination

SOCIOLOGY

[(A) Sociology of Religion]

Paper—IV

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 100

Note :— (1) **ALL** questions are compulsory.

(2) All questions carry equal marks.

1. Explain the importance of the study of Sociology of religion. 20

OR

Explain the nature of Sociology of religion. 20

2. Explain Durkheim sociological positivism. 20

OR

Explain Levi-Straus's view on structuralism with reference to religion. 20

3. Answer the following questions :

(a) Explain the 'Varna System'. 5

(b) Explain the Panchsheel Tatva. 5

(c) Explain the concept of 'Quyamat ka Din'. 5

(d) Explain the characteristics of Jainism. 5

OR

(e) Write the main principles of Hinduism. 5

(f) Write the reasons for the spread of Christianity. 5

(g) Importance of 'Sacred Time' in Hindu religion. 5

(h) Explain the concept of Nirvan in Jainism. 5

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

4. Answer the following questions :

(a) What is Proselytism ? 5

(b) State the characteristics of Fundamentalism. 5

(c) Explain the characteristics of Secularism. 5

(d) Elaborate the causes of religious conversion in India. 5

OR

(e) Explain the causes of Religious Fundamentalism in India. 5

(f) Meaning of Communalism. 5

(g) Discuss the factors promoting Proselytism. 5

(h) Discuss the causes of Proselytism. 5

5. Answer the following questions :

(a) Explain the concept 'Sarva Dharma Sambhav'. 5

(b) Contribution of Sant Tukdoji Maharaj to 1942 movement. 5

(c) Contribution of Sant Gadge Maharaj to Social Change. 5

(d) Relation between social change and religion. 5

OR

(e) Importance of 'Gram-Geeta' to social change in Vidharbha. 5

(f) Importance of Social movement. 5

(g) Write on 'Gram-Geeta'. 5

(h) Write on 'Das-Sutri' of Gadgebaba. 5

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

M.A. (Part-I) (Old) Examination
SOCIOLOGY
[(A) Sociology of Religion]
Paper—IV

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 100

(मराठी माध्यम)

सूचना :—(1) सर्व प्रश्न आवश्यक आहेत.

(2) सर्व प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. धर्माच्या समाजशास्त्राचे अभ्यासाचे महत्व स्पष्ट करा. 20

किंवा

धर्माच्या समाजशास्त्राचे स्वरूप स्पष्ट करा. 20

2. दुर्खिमच्या समाजशास्त्रीय पद्धतीचे विश्लेषण करा. 20

किंवा

धर्माबाबत लेविस्ट्रॉस चा संरचनावादावरील दृष्टीकोन स्पष्ट करा. 20

3. खालील प्रश्नांची उत्तरे लिहा :

(अ) 'वर्ण व्यवस्था'चे वर्णन करा. 5

(ब) 'पंचशिल तत्व'चे वर्णन करा. 5

(क) 'कयामत का दिन' संकल्पना स्पष्ट करा. 5

(ड) जैन धर्माची वैशिष्टचे लिहा. 5

किंवा

(इ) हिंदू धर्मातील मूख्य तत्वे लिहा. 5

(फ) ख्रिश्चन धर्माच्या प्रसाराची कारणे लिहा. 5

(ग) हिंदू धर्मातील 'पवित्र वेण' चे महत्व लिहा. 5

(ह) जैन धर्मातील 'निर्वाण' संकल्पना स्पष्ट करा. 5

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

4. खालील प्रश्नांची उत्तरे लिहा :

(अ) धार्मिक कट्टरतावाद म्हणजे काय ? 5

(ब) मूलतत्ववादाची वैशिष्ट्ये लिहा. 5

(क) धर्मनिरपेक्षतावादाची वैशिष्ट्ये लिहा. 5

(ड) भारतातील धर्म परिवर्तनाची कारणे विशद करा. 5

किंवा

(इ) भारतातील धार्मिक मूलतत्ववादाची कारणे. 5

(फ) संप्रदायवादाचा अर्थ. 5

(ग) कट्टरतावादाची प्रोत्साहीत करणाऱ्या घटकांची चर्चा करा. 5

(ह) धार्मिक कट्टरतावादाची कारणे लिहा 5

5. खालील प्रश्नांची उत्तरे लिहा :

(अ) 'सर्व धर्म समभाव' संकल्पना स्पष्ट करा. 5

(ब) 1942 च्या चळवळीतील संत तूकडोजी महाराज यांचे योगदान लिहा. 5

(क) संत गाडगे महाराजांचे यांचे सामाजिक परिवर्तनातील योगदान लिहा. 5

(ड) सामाजिक परिवर्तन व धर्म यातील संबंध. 5

किंवा

(इ) विदर्भातील सामाजिक परिवर्तनात 'ग्रामगीतेच' महत्व. 5

(फ) सामाजिक चळावळीचे महत्व लिहा. 5

(ग) 'ग्रामगीता' यावर लिहा. 5

(ह) संत गाडगे बाबांची 'दशसूत्री' यावर लिहा. 5

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

M.A. (Part-I) (Old) Examination
SOCIOLOGY
[(A) Sociology of Religion]
Paper—IV

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 100

(हिन्दी माध्यम)

सूचना :—(1) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(2) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. धर्म के समाजशास्त्र के अध्ययन का महत्व स्पष्ट कीजिये। 20

अथवा

धर्म के समाजशास्त्र का स्वरूप स्पष्ट कीजिये। 20

2. दुर्खिम के समाजशास्त्रीय पद्धतीशास्त्र का विश्लेषण कीजिये। 20

अथवा

धर्म के संबध में लेविस्ट्रॉस के संरचनावाद का दृष्टिकोण स्पष्ट कीजिये। 20

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिये :

(अ) 'वर्ण-व्यवस्था' का वर्णन कीजिये। 5

(ब) 'पंचशील तत्व' का वर्णन कीजिये। 5

(क) 'कयामत का दिन' संकल्पना को स्पष्ट कीजिये। 5

(ड) जैन-धर्म की विशेषताओं को लिखिये। 5

अथवा

(इ) हिंदू-धर्म के मुख्य तत्वों को लिखिये। 5

(फ) ख्रिश्चन धर्म के प्रसार के कारण लिखिये। 5

(ग) हिंदू-धर्म में 'पवित्र वक्त' का महत्व लिखिये। 5

(ह) जैन-धर्म की 'निर्वाण' संकल्पना का वर्णन कीजिये। 5

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिये :

(अ) धार्मिक कट्टरतावाद पर लिखिये। 5

(ब) मूलतत्ववाद की विशेषताओं को लिखिये। 5

(क) धर्मनिरपेक्षतावाद की विशेषताओं को लिखिये। 5

(ड) भारत में धर्म परिवर्तन के कारणों को विशद कीजिये। 5

अथवा

(इ) भारत में धार्मिक मूलतत्ववाद के कारणों को लिखिये। 5

(फ) संप्रदायवाद का अर्थ। 5

(ग) कट्टरतावाद को प्रोत्साहित करने वाले घटकों की चर्चा कीजिये। 5

(ह) धार्मिक कट्टरतावाद के कारण लिखिये। 5

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिये :

(अ) 'सर्व धर्म समभाव' संकल्पना स्पष्ट कीजिये। 5

(ब) 1942 के आंदोलन में संत तुकडोजी महाराज का योगदान। 5

(क) सामाजिक परिवर्तन में संत गाडगे महाराज का योगदान। 5

(ड) सामाजिक परिवर्तन और धर्म इनके संबंध पर लिखिये। 5

अथवा

(इ) विदर्भ के सामाजिक परिवर्तन में 'ग्रामगीता' का महत्व। 5

(फ) सामाजिक आंदोलन के महत्व को लिखिये। 5

(ग) 'ग्राम-गीता' पर लिखिये। 5

(ह) संत गाडगे महाराज के 'दशसूत्री' पर लिखिये। 5

www.sgbauonline.com